हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-12 अंक-06 हरिद्वार, शनिवार, 01 फरवरी, 2025 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का रंगारंग शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले खेलों से बढ़ती है देश की साख

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संबोधन और अधिकारिक उद्घोषणा के साथ ही मंगलवार शाम से उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का रंगारंग शुभारंभ हो गया है। मंगलवार शाम को देहरादून में राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड आज युवा ऊर्जा से और भी दिव्य हो उठा है, बाबा केदार, बद्रीनाथ जी, मां गंगा के शुभाशीष के साथ आज यहां नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये वर्ष उत्तराखंड के निर्माण का 25वां वर्ष भी है, इस खास अवसर पर इस युवा राज्य में देश के अलग- अलग हिस्सों से आए, हजारों युवा अपना सामर्थ्य दिखाने वाले हैं। इससे यहां एक भारत, श्रेष्ठ भारत की सुंदर तस्वीर नजर आ रही है। प्रधानमंत्री ने शानदार आयोजन के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी टीम को बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब देश में सालभर कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, खेलो इंडिया सीरीज में कई सारे नए टूर्नामेंट जोड़े गए हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स की वजह से युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिला है। इसी तरह यूनिवर्सिटी गेम्स और पैरा ओलंपिक

गेम्स से भी मौके बढ़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले लद्दाख में खेलो इंडिया विंटर गेम्स का पांचवां संस्करण शुरु हुआ है। पिछले साल ही बीच गेम्स का भी आयोजन किया। सरकार के साथ ही भाजपा सांसद भी सांसद निधि से खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि अकेले काशी संसदीय क्षेत्र में आयोजित हो रही खेल प्रतियोगिता में हर साल करीब ढाई लाख युवाओं को खेलने का मौका मिल रहा है।

खेल से बढ़ती है देश की प्रोफाइल

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब कोई देश खेल में आगे बढ़ता है तो, देश की साख और प्रोफाइल भी बढ़ती है। इसलिए सरकार खेल को विकास से जोड़कर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बडी आर्थिक शक्ति बन रहा है तो इसमें स्पोर्ट्स इकोनॉमी का भी अहम योगदान होने जा रहा है। इससे खिलाड़ी ही नहीं बल्कि सहायक स्टॉफ से लेकर मैन्यूफैक्चर तक जुड़े होते हैं। उन्होने कहा कि भारत खेल सामग्री उत्पादन का हब बनता जा रहा है। अकेले मेरठ में खेल सामग्री निर्माण की 35 हजार से अधिक यूनिट हैं, जहां तीन लाख लोग काम कर रहे हैं।

पीएम यानि परम मित्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दिनों उनसे मिलने ओलंपिक टीम के सदस्य आए थे, उस दौरान एक खिलाड़ी ने पीएम की नई परिभाषा बताई, जिसके अनुसार खिलाड़ी पीएम को प्राइम मिनिस्टर नहीं बल्कि परम मित्र कह कर बुलाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दस साल में खेल का बजट तीन गुना बढ़ गया है, टॉप स्कीम के तहत दर्जनों खिलाड़ियों पर सैकडों करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है। देशभर में आधुनिक खेल सुविधाओं का विकास हो रहा है। देश की पहली खेल यूनिवर्सिटी मणिपुर में है। सरकार के प्रयासों का असर पदक तालिका के रूप में नजर आ रहा है। देश के साथ ही उत्तराखंड के खिलाड़ी भी मैडल जीत रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हॉकी के गौरवशाली दिन वापस लौट रहे हैं। कुछ दिन पहले ही खो - खो टीम ने वर्ल्ड कप जीता है। अब युवा खेल को प्रमुख कैरियर के रूप में अपना रहे हैं।

2023 में ओलंपिक आयोजन का प्रयास

प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे हमारे खिलाड़ी हमेशा बड़े लक्ष्य लेकर चलते हैं, वैसे ही हमारा देश भी बडे संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। इसलिए भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां भी ओलंपिक होते हैं वहां अनेक सेक्टर को गति मिलती है। खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाए बनती हैं। ठीक ऐसे ही नेशनल गेम्स से यहां देवभूमि उत्तराखंड को अनेक लाभ मिलेंगे।

यूसीसी समानता के लिए

प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा केदार के दर्शन के बाद उनके मुंह से अचानक ही निकला था, कि 21वीं सदी का ये दशक, उत्तराखंड के नाम होने जा रहा है। अब उन्हें खुशी है कि राज्य तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कल ही उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला राज्य बन गया है। यूसीसी सही मायने में सेक्युलर सिविल कोड है, जो हमारी बेटियों, माताओं और बहनों के गरिमापूर्ण जीवन का आधार बनेगा। इससे लोकतंत्र की भावना भी मजबूत होगी। कहा कि जैसे हर मैडल के पीछे सबको साथ लेकर चलने की भावना छुपी होती है, यही भावना यूसीसी में भी है।

शीतकालीन यात्रा पर सरकार के प्रयासों को सराहा

उन्होंने राज्य सरकार की पीठ थपथपाते हुए कहा कि उत्तराखंड में पहली बार इतने बडे पैमाने पर नेशनल ईवेंट हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था सिर्फ चारधाम यात्रा पर ही निर्भर नहीं रह सकती है। इसी दिशा में उत्तराखंड ने अब शीतकालीन यात्रा को भी प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड उनका दूसरा घर है, इसलिए उनकी भी शीतकालीन यात्रा का हिस्सा बनने की इच्छा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि शीतकाल के दौरान उत्तराखंड में युवाओं के लिए एडवेंचर टूरिज्म के लिए भी कई अवसर होते हैं।

हरिद्वार में मौनी अमावस्या पर गंगा स्नान के लिए उमड़ी भीड़

श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य कर सुख-समृद्धि की कामना

हरिद्वार । धर्मनगरी हरिद्वार में मौनी अमावस्या स्नान के लिए गंगा घाटों पर सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर आस्था की डुबकी लगाई और दान-पुण्य कर सुख समृद्धि की कामना की। शास्त्रों के मुताबिक मौनी अमावस्या के दिन गंगा स्नान और दान का विशेष महत्व है। मौनी अमावस्या पर पितरों का तर्पण करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि मौनी अमावस्या पर मौन रहकर मां गंगा में स्नान करने और दान करने से कष्ट दूर होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दिन गंगा स्नान से पुण्य और मोक्ष की प्राप्ति होती है।मौनी अमावस्या पर गंगा स्नान करने के लिए देर रात्रि से ही श्रद्धालुओं का हरिद्वार पहुंचना शुरू हो गया था। गंगा स्नान के लिए गंगा घाटों पर सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। ज्योतिषाचार्य पंडित मनोज त्रिपाठी का कहना है कि माघ मास के कृष्ण पक्ष में पढ़ने वाली अमावस्या को मौनी अमावस्या कहते हैं। विशेष बात यह है कि प्रयागराज में कुंभ के दौरान पड़ने वाली इस अमावस्या में विशेष योग बन रहा है।

इस योग मे स्नान करके जप, तप, दान आदि करें तो वह कई गुना हो जाता है। मौनी अमावस्या पर मौन रहकर स्नान करने के पश्चात अपने ब्राह्मण को या किसी पुरोहित को तिल मिश्रित मिठाई, कंबल, ऊनी वस्त्र,चावल आदि का दान करें।जो व्यक्ति आज अपने पितरों के निमित्त तर्पण पिंडदान करता है वो अपने पितरों को मोक्ष दे देता है, पितृ दोष से मुक्त हो जाता है और उसके पितृ उसको सात पीढ़ियों तक पुत्र पौत्र आदि का आशीर्वाद देकर भगवान नारायण में समाहित हो जाते हैं। माघ मास की मौनी अमावस्या के दिन गंगा स्नान को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। हरकी पौड़ी और अन्य गंगा तटों पर लोग आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। वहीं पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं।

हरिद्वार में गोदाम में लगी भीषण आग, सारा माल जलकर खाक

हरिद्वार । उत्तराखंड के हरिद्वार जिले से आग की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के सलेमपुर में बने कबाड़खाने के गोदाम में देर रात को अचानक से आग लग गई थी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी सी मच गई थी। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल मामले की सूचना दमकल विभाग को दी।

सूचना मिलते ही तत्काल दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि आग की इस घटना से कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन गोदाम में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। फिलहाल दमकल की टीम आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। प्राथमिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि अभी स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। दमकल विभाग और पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं। जांच के बाद ही गोदाम में आग लगने के सही कारण का पता चल पाएगा। दमकल विभाग की टीम ने बताया कि आग काफी विकारल थी, जिस पर काबू पाने में दमकल विभाग को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया कि आग कितनी भयानक थी, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वाहन में पानी खत्म हो गया, जिसके पंपिंग कर आग पर काबू पाया गया।

सम्पादकीय

नई धारा प्रवाहित करने का प्रयास

21वीं सदी का यह दौर मानवता के इतिहास में एक ऐसा समय है, जब दुनिया भर में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन तेजी से हो रहे हैं। ऐसे में जब भी बात महिलाओं के अधिकारों और उनके सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक सशक्तिकरण की होती है, तो यह एक ऐसे संघर्ष की कहानी बयां करता है, जो सदियों से चली आ रही है। विश्व के कई देशों में आज भी महिलाएं समानता, स्वतंत्रता और अपने मौलिक अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ रही हैं। अलबत्ता इस वैश्विकी संघर्ष के बीच भारत ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में नई इबारतें लिखी हैं और अनोखी पहचान बनाई है। इस लिहाज से भारत की चर्चा का खास महत्त्व है। महिलाओं की सहभागिता और योगदान ने यहां के पारंपरिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक ताने-बाने को मजबूती दी है। मौजूदा संदर्भ में बात करें तो भारत का परिदृश्य बदल चुका है। यह बदलाव केवल महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं, बल्कि समाज और देश की प्रगति के लिए एक नये युग की शुरु आत का संकेत है। भारत में महिला सशक्तिकरण की कहानी केवल संघर्ष और चुनौतियों तक सीमित नहीं है। यह वह समय है, जब भारतीय महिलाएं परंपरा और आधुनिकता के संतुलन को साधते हुए अपनी पहचान को नये सिरे से गढ़ रही हैं। इस दौर में जब वैश्विकी मंच पर महिला सशक्तिकरण की बातें हो रही हैं, भारत ने न केवल अपनी महिलाओं को आगे बढने का अवसर दिया है, बल्कि यह दिखाया है कि बदलाव संभव है। एक ऐसा ही उदाहरण है, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) का ऑल-विमेन राफ्टिंग अभियान, जो एक प्रेरणादायक बदलाव का प्रतीक बनकर उभरा है। यह ऐतिहासिक पहल पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में महिलाओं की साहसिक दस्तक है, जो न केवल परंपराओं को चुनौती देती है, बल्कि नये आयाम भी गढ़ती है। उत्तराखंड के गंगोत्री से पश्चिम बंगाल के गंगा सागर तक 2,500 किलोमीटर की यात्रा न केवल साहसिक है, बल्कि प्रेरणादायक भी। यह अभियान उन्हें साहस, सामूहिकता और नेतृत्व की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ गंगा के प्रवाह को संरक्षित करना ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में उसकी पवित्रता और महत्ता की लौ जलाना भी है। गंगा, जो भारतीय जनमानस के लिए मात्र एक जलधारा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता का भी प्रतीक है। पर बीते दशकों में बढ़ते प्रदूषण और अतिक्रमण के कारण यह जीवनरेखा काफी चुनौतियों का सामना कर रही है। गंगा के किनारे रहने वाले हर नागरिक को यह समझने की आवश्यकता है कि उनकी छोटी-छोटी आदतें, जैसे प्लास्टिक का उपयोग बंद करना, गंगा के तटों की सफाई बनाए रखना और जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती हैं। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कायाकल्प के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दौरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बसे समुदायों के साथ बातचीत की और उन्हें जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया। वेटलैंड्स का दौरा, घाटों पर संवाद, और जल संरक्षण पर आधारित क्विज़ जैसे कार्यक्रमों ने गंगा संरक्षण की दिशा में सामूहिक चेतना को बढ़ावा दिया। अभियान इस बात को भी रेखांकित करता है कि गंगा का संरक्षण केवल पर्यावरणीय सुधार नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक स्थिरता के लिए भी आवश्यक है। जब हम गंगा को साफ रखने की बात करते हैं, तो इसका अर्थ केवल प्रदूषण को रोकना नहीं, बल्कि समग्र पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना भी है। यह अभियान इस दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। इस अभियान ने महिलाओं को एक नई पहचान दी है। इसके माध्यम से यह संदेश स्पष्ट है कि महिलाएं समाज में किसी भी भूमिका को निभाने में सक्षम हैं, चाहे वह नेतृत्व हो, संरक्षण हो या समाज में बदलाव लाने की जिम्मेदारी। महिला सशक्तिकरण केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है; यह समाज की प्रगति और स्थिरता का आधार भी है। अपनी रोमांचक यात्रा के दौरान, राफ्टिंग दल ने पांच राज्यों के विभिन्न जिलों में स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर नदियों के किनारों को संवारने का संकल्प लिया। इस अभियान ने स्वच्छता का ऐसा महोत्सव रचा, जिसमें हर आयु और वर्ग के लोग प्रेरणा और उत्साह से भर उठे। यह यात्रा सिर्फ रोमांच और चुनौतियों से भरा एक अनुभव नहीं थी, बल्कि नदियों के प्रति सम्मान और समुदायों के बीच एकता की एक नई धारा प्रवाहित करने का प्रयास है।

संगम में करोड़ों लोग की डुबकी दृश्य अद्भुत

अवधेश कुमार

प्रयागराज त्रिवेणी संगम से आ रहे दृश्य अद्भुत हैं। संपूर्ण पृथ्वी पर भारत ही एकमात्र देश है जहां इस तरह के अद्भुत आयोजन संभव हैं। केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए यह न भूतो न भविष्यति वाली स्थिति है। इसलिए नहीं कह सकते कि एक बार जब देश और नेतृत्व अपनी प्रकृति को पहचान कर आयोजन करता है तो वह एक मानक बन जाता है और आगे ऐसे आयोजनों को और श्रेष्ठ करने की प्रवृत्ति स्थापित होती है। यह मानना होगा कि 144 वर्ष बाद पौष पूर्णिमा पर बुधआदित्य योग जिसे, महायोग युक्त कह रहे हैं, उस महाकुंभ का श्री गणोश उसकी आध्यात्मिक दिव्यता के अनुरूप करने की संपूर्ण कोशिश केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया है। भारत में दुर्भाग्यवश, राजनीतिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे महान अवसरों, जिससे केवल भारत और विश्व नहीं संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण का भाव पैदा होने की आचायरे की दृष्टि है, उसमें भी नकारात्मक वातावरण बनाया जा रहा है। होना यह चाहिए था कि राजनीतिक मतभेद रहते हुए भी संपूर्ण भारत और विशेष कर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल ऐसे शुभ और मंगलकारी आयोजन पर साथ खड़े होते, आने वालों का स्वागत करते और संघर्ष, तनाव, झूठ, पाखंड, ईर्ष्या, द्वेष, घृणा से भरे विश्व में भारत से शांति की आध्यात्मिक सलिला का मूर्त अमूर्त संदेश विस्तारित होता। हमारे देश का संस्कार इतना सुगठित और महान है कि नेताओं के वक्तव्यों की अनदेखी करते हुए करोड़ों लोग अपने साधु-संत, आचायरे के द्वारा दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए जाति, पंथ, क्षेत्र, भाषा, राजनीति सबका भेद भूलकर संगम में डुबकी लगाते, आवश्यक अपरिहार्य कर्मकांड करते आकषर्क दृश्य उत्पन्न कर रहे हैं, अन्यथा समाजवादी पार्टी और उनके नेता जिस तरह के वक्तव्य दे रहे हैं उनसे केवल वातावरण विषाक्त होता। थोड़ी देर के लिए अपनी दलीय राजनीति की सीमाओं से बाहर निकलकर विचार करिए। क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव या आयोजन को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने एवं संपूर्ण विश्व को बगैर किसी शब्द का प्रयोग किए भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम और व्यवस्थाएं किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। लाखों करोड़ों व्यक्ति और संपूर्ण भारत के सारे संत-संन्यासी-साधू-महंत आचार्य दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकार के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह मोदी सरकार और योगी सरकार ने कुंभ को उसकी मौलिकता के अनुरूप वर्तमान देश, काल, स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वास्तव में हमारे शीर्ष नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों स्तरों पर एक साथ कभी ऐसे लोग नहीं रहे जिन्हें महाकुंभ या हमारे धार्मिक-सांस्कृतिक-आध्यात्मिक आयोजनों, मुहूतरे, कर्मकांडों का महत्त्व, इसका आयोजन कैसे, किनके द्वारा, किन समयों पर होना चाहिए ना इसका पूरा ज्ञान रहा और न लेने के लिए कभी इस तरह प्रयत्न हुआ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी संन्यासी हैं और उन्हें इसका ज्ञान है।

उनके मंत्रिमंडल में भी ऐसे साथी हैं जो इन विषयों को काफी हद तक समझते हैं, जिनकी निष्ठा है। निष्ठा हो और संकल्प नहीं हो तो ज्ञान होते हुए भी साकार नहीं हो सकता। आप योगी आदित्यनाथ के समर्थक हों या विरोधी इन विषयों पर उनकी समझ, निष्ठा व संकल्पबद्धता को किसी दृष्टि से नकार नहीं सकते। जब इस तरह की टीम होती है तभी महाकुंभ, अयोध्या या काशी विनाथ अपनी मौलिकता के साथ संपूर्ण रूप से प्रकट होता है। केंद्र का पूरा मार्गदशर्न और उसके अनुरूप सहायता हो तो समस्याएं नहीं आती। 2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद प्रयागराज में ही 2019 में अर्धकुंभ आयोजित हुआ था और वहां से नया स्वरूप सामने आना आरंभ हुआ। पहली बार लोगों ने केंद्र व प्रदेश का संकल्प देखा। 2019 में पहली बार राज्य सरकार ने 2406.65 करोड़ व्यय किया जिसकी पहले कल्पना नहीं थी। इस बार सरकार की ओर से 5496.48 करोड़ रुपये व्यय अभी तक हुआ और केंद्र ने भी इसमें 2100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त सहयोग दिया है। कुंभ के आयोजन के साथ गंगा और यमुना दोनों में शून्य डिस्चार्ज सुनिश्चित करने की कोशिश हुई है। सभी 81 नालों का स्थाई निस्तारण सुनिश्चित करने की तैयारी की गई। यह तो नहीं कह सकते कि गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम का जल शत-प्रतिशत शुद्ध और स्वच्छ हो गया, किंतु अधिकतम कोशिश कर हरसंभव परिणाम तक ले जाने के परिश्रम से हम इनकार नहीं कर सकते। कुंभ को हरित कुंभ बनाने की दृष्टि से पहली बार मोटा-मोटी 3 लाख के आसपास पौधरोपण का आंकड़ा है। उसी तरह केवल रिकॉर्ड संख्या में डेढ़ लाख शौचालय बनाए गए बल्कि 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग 1230 किलोमीटर पाइपलाइन, 200 वाटर एटीएम तथा 85 नलकूप अधिष्ठान की व्यवस्था है। हालांकि हिन्दुओं और सनातनियों के अंदर तीर्थयात्राओं में कष्ट सहने की मानसिकता और संस्कार है। हमारा चरित्र ऐसा है जहां जो कुछ व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं उसी में अपना कर्मकांडीय दायित्व पूरी करते हैं। किंतु सरकार व्यवस्था करे तो सब कुछ आसान सहज और अनुकूल होता है।

आप राजनीतिक रूप से आलोचना करिए किंतु सत्य है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही ने कभी ऐसे अवसरों को इस तरह जन-जन तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाने और लोगों के अंदर आने की भावना पैदा करने की दृष्टि से विचार ही नहीं किया। टीवी चैनलों पर विहंगम दृश्य देखकर आम लोगों की प्रतिक्रियाएं हैं कि एक बार अवश्य जाना जाकर वहां डुबकी लगानी चाहिए। अयोध्या में पिछले वर्ष श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में हमने प्रदेश सरकार की पहली बार ऐसी व्यवस्था देखी और अब महाकुंभ में उसका विस्तार है। एक साथ हजारों की संख्या में यज्ञ अनुष्ठान से बना माहौल, मंत्रों की ध्वनि संगीत, जयकारे सब सूक्ष्म रूप से पूरे वातावरण में कैसी दिव्यता उत्पन्न करेंगे इसकी कल्पना करिए।

गैरहाज़िर शिक्षकों पर होगी कार्रवाई : डॉ. धन सिंह रावत

देहरादून । विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न राजकीय विद्यालयों से लम्बे समय से अनुपस्थित चल रहे शिक्षकों की अब खैर नहीं। ड्यूटी से नदारद इन शिक्षकों पर ठोस कार्रवाई के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दे दिये गये हैं। इसके अलावा अधिकारियों को प्रदेशभर में 10वीं व 12वीं कक्षाओं की बोर्ड परीक्षा नकल विहीन एवं पारदर्शिता से कराने को कहा गया है। साथ ही सीआरपी-बीआरपी एवं चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों की नियुक्ति प्रक्रिया तेजी लाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये गये हैं।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज शासकीय आवास पर विद्यालयी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने विभागीय अधिकारियों को विद्यालयों से लम्बे समय से गायब चल रहे शिक्षकों के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्यवाही के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है लेकिन कुछ शिक्षक नियमों को ताक पर रखकर स्कूलों से नदारद हैं। ऐसे शिक्षकों को किसी भी कीमत पर बख्सा नहीं जायेगा। विभागीय मंत्री ने 10वीं व 12वीं कक्षाओं की परिषदीय परीक्षाओं को नकल विहीन व पारदर्शिता के साथ कराने के निर्देश भी विभागीय अधिकारियों को दिये। उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने और निर्धारित समय पर बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित करने को अधिकारियों को कहा। इसके अलावा उन्होंने संवेदनशील व अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त सतर्कता बरने की बात कही। डॉ. रावत ने बैठक में सीआरपी-बीआरपी एवं चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों की नियुक्ति प्रक्रिया की प्रगति आख्या तलब कर नियुक्ति प्रक्रिया में हो रही देरी पर अधिकारियों को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने शीघ्र ही नियुक्ति प्रक्रिया तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि सीआरपी-बीआरपी व चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्ति न होने से इसका खामियाज विभाग को उठाना पड़ है जिसका सीधा असर छात्र-छात्राओं पर पड़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने प्राथमिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा में शिक्षकों की शीघ्र तैनाती करने के निर्देश भी बैठक में दिये। इसके साथ ही डॉ. रावत ने शिक्षकों के अंतरमण्डलीय स्थानांतरण, कलस्टर विद्यलयों, पीएम-श्री विद्यालयों के निर्माण कार्यों को तेजी के पूरे करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। बैठक में विद्यालयी शिक्षा महानिदेशक झरना कमठान, निदेशक एससीईआरटी वंदना गर्ब्याल, निदेशक प्राथमिक शिक्षा आर.के. उनियाल, प्रभारी निर्देशक माध्यमिक शिक्षा एस.बी. जोशी, अपर निदेशक डॉ. मुकुल सती, एपीडी समग्र शिक्षा कुलदीप गैरोला सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे जबकि सभी जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में प्रतिभाग किया।

कमजोर वर्ग के छात्रों के साथ खड़ा है संस्थान : मनमोहन

रुड़की । बीएसएम इंटर कॉलेज में बुधवार को निर्धन छात्रों को स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल के करीब 250 छात्रों को स्वेटर वितरित किए। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में बीएसएम शिक्षण संस्थान के प्रबंधक मनोहर लाल शर्मा बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि बीएसएम शिक्षण संस्थान एक बहुत बड़ी संस्था है। इसमें इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज, लॉ कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल हैं। इनमें काफी छात्र गरीब वर्ग से आते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर ऐसे छात्रों को प्रत्येक वर्ष स्वेटर वितरित की जाती है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को विद्यालय की यूनिफॉर्म खरीदने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में हर साल करीब 250 छात्रों को निःशुल्क स्वेटर वितरित किए जाते हैं। विद्यालय प्रधानाचार्य अजय कौशिक ने कहा कि बीएसएम इंटर कॉलेज में गरीब छात्रों का विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है। ऐसे छात्रों की फीस माफ के साथ-साथ यूनिफॉर्म आदि का भी विशेष ध्यान दिया जाता है। कहा कि भविष्य में भी विद्यालय स्तर पर इस तरह के कार्यक्रम लगातार किए जाएंगे।

मासूम को लेकर विवाहिता अपने प्रेमी संग घर से भागी

रुड़की । सुल्तानपुर क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता अपने प्रेमी संग फरार हो गई। विवाहिता के पति और परिजनों ने उसकी इधर-उधर तलाश की। लेकिन विवाहिता के नहीं मिलने पर चौकी पुलिस को तहरीर देकर महिला की गुमशुदगी दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। चौकी क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक विवाहिता का पास के ही गांव में रहने वाले एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसके चलते वह 20 जनवरी को अपनी तीन साल की बेटी को लेकर अपने प्रेमी संग फरार हो गई। विवाहिता के पति ने सुल्तानपुर चौकी पुलिस को तहरीर देकर मामले की जानकारी दी है। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने अपनी रिश्तेदारियों और जान-पहचान में पत्नी की तलाश की। लेकिन अभी तक पत्नी का कहीं कुछ पता नहीं चल पाया है। अब बाद में खुद महिला ने अपने पति को फोन कर उसे तलाश नहीं करने की बात कही है। महिला के पति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पत्नी पहले भी दो-तीन बार घर से भागने का प्रयास कर चुकी है। महिला के पति ने पुलिस को तहरीर देकर महिला की गुमशुदगी दर्ज कर महिला को सकुशल तलाश करने की मांग की है। सुल्तानपुर चौकी प्रभारी लोकपाल सिंह परमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर महिला की गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

प्रदेश की 52 बालिकाएं बन रही है ड्रोन दीदी : रेखा आर्या

देहरादून । प्रदेश के दूरदराज के इलाकों आने वाली कुल 52 बालिकाएं "ड्रोन दीदी" बनने जा रही है। वंचित वर्ग की इन बालिकाओं का युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल निदेशालय में विशेष प्रशिक्षण शिविर चल रहा है।शनिवार को विभागीय मंत्री रेखा आर्या ने शिविर का निरीक्षण किया। मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इन लड़कियों का चयन चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, चंपावत समेत प्रदेश के सभी जनपदों से किया गया है। इस शिविर का उद्देश्य है इन लड़कियों को स्किल से लैस करना, जिससे यह अपने करियर को संवार सके। युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि शिविर में कुल 52 इंटर पास लड़कियां हिस्सा ले रही है और इनका प्रशिक्षण 12 फरवरी को पूरा हो जाएगा। शिविर में इन्हें ड्रोन संचालित करने, उसे असेंबल और डीअसेंबल करने व रिपेयर करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। यह आवासीय शिविर है और इसमें रहने खाने के लिए बालिकाओं से कोई शुल्क नहीं लिया गया है। मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि शिविर में बेहतर प्रदर्शन करने वाली पांच लड़कियों को ड्रोन फ्री में गिफ्ट किया जाएगा। मंत्री ने शिविर में हिस्सा ले रही लड़कियों को किट वितरण भी किया। इस अवसर पर मंत्री के साथ विशेष खेल सचिव अमित सिन्हा और उपनिदेशक शक्ति सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बालिग होने से पहले बच्चों को न दें वाहन की चाबी

रुड़की । परिवहन विभाग ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत लक्सर स्थित स्कॉर्स होम इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों के साथ ही शिक्षकों व अभिभावकों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने यातायात के नियमों की जानकारी दी। साथ ही आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को बालिग होने से पहले वाहन चलाने से मना करें। स्कूल के संस्थापक ब्रह्मपाल सिंह सैनी ने गोष्ठी की शुरूआत करते हुए कहा कि सड़क पर चलते हुए यातायात के नियमों का पालन करना जरुरी है। हमारे साथ ही सड़क पर चल रहे दूसरे लोगों की सुरक्षा भी इस पर निर्भर करती हे। परिवहन कर अधिकारी रविंद्र सैनी ने बताया कि देश में सबसे ज्यादा अप्राकृतिक मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हो रही हैं। इनमें बहुत कत दुर्घटनाएं वाहन में अचानक आई तकनीकी खराबी के कारण होती हैं। बाकी की तीन चौथाई से ज्यादा दुर्घटना वाहन चालक की लापरवाही की वजह से होती हैं। इनमें चालक के साथ ही वाहन में सवार दूसरे लोगों की जिंदगी भी चली जाती है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के बालिग होने के बाद पहले उसका ड्राईविंग लायसेंस बनवाएं, उसे हेलमेट खरीदवाएं, और फिर चलाने के लिए उसके हाथ में वाहन दें। उन्होंने बच्चों को सड़क पर पैदल चलने, सड़क क्रॉस करने या मोड़ पर घूमने के नियमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उनके साथ आरक्षी अर्जुन सिंह, पीआरडी सत्यपाल सिंह भी मारजूद थे। प्रधानाचार्य गौाव भटनागर, शिक्षक हितेष त्यागी, अंकुश सैनी, कर्मवीर सिंह, शिवानी शर्मा, आकांक्षा धीमान, आंचल धीमान, अनुश्री त्यागी, प्रियंका सिंह, भावना गुप्ता, विशाखा, सीमा गुप्ता, कोमल, अमृत, रूपल, शबनम, रचना, मोनिका चौधरी ने भी गोष्ठी के आयोजन में सहयोग दिया।

इनसिलिको केमिस्ट्री दवा खोज प्रक्रिया में क्रांति ला रही

हरिद्वार । गुरुकुल कांगड़ी विवि के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग में रामईश इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा के फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संदीप बंसल ने व्याख्यान सत्र में दवा की खोज में इनसिलिको केमिस्ट्री की भूमिका की बल दिया गया। प्रो. बंसल ने बताया कि इनसिलिको केमिस्ट्री दवा खोज प्रक्रिया में क्रांति ला रही है। उन्होंने आणविक मॉडलिंग, वर्चुअल स्क्रीनिंग और मात्रात्मक संरचना-गतिविधि संबंध अध्ययन जैसी विभिन्न कम्प्यूटेशनल तकनीकों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उताया कि ये विधियाँ न केवल खोज प्रक्रिया को गति देती हैं, बल्कि पारंपरिक प्रयोगात्मक दृष्टिकोणों से जुड़ी लागतों को भी कम करती हैं। विभाग के प्रभारी डॉ. विपिन शर्मा ने इन्होने विषय के महत्व को रेखांकित किया और अनुसंधान क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ प्रोफेसर बंसल का स्वागत किया। सत्र के दौरान विभाग के शिक्षक दीपक सिंह, राजेन्द्र यादव, ओपी जोशी, तरुण कुमार, रोहित भारद्वाज, आशीष पांडे, रवि प्रताप, पीयूष सिंघल आदि उपस्थित रहे। व्याख्यान में फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के मास्टर और बैचलर कार्यक्रमों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। डॉ. प्रिंस प्रशांत शर्मा ने संचालन किया।

कुष्ठ रोग को लेकर बन रही भ्रांतियों को किया जाएगा दूरः कंसल

रुड़की । सिविल अस्पताल में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को एंटी लैप्रोसी-डे के रूप में मनाया जाएगा। इसके साथ ही इस दिन को स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान भी शुरू किया जाएगा। इसको लेकर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में आशाओं को कुष्ठ रोग से संबंधित अनेक जानकारी दी गई। बुधवार को सिविल अस्पताल में सीएमएस डॉ. संजय कंसल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि 30 जनवरी से 14 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान लोगों को कुष्ठ रोग के बारे में जानकारी दी जाएगी और रोग व उससे ग्रसित मरीजों के बारे में भ्रांतियों को दूर किया जाएगा। स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान की सुपरवाइजर मनीष भटनागर ने बताया कि 30 जनवरी को कुष्ठ रोग दिवस मानते हुए लोगों को कुष्ठ रोग से मुक्ति के लिए संकल्प दिलाया जाएगा। इसके लिए आशाओं की टीम बनाई गई है। यह टीम घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेगी। उन्होंने कुष्ठ रोग के लक्षणों के बारे में जानकारी दी कि यदि किसी की चमड़ी में दाग के साथ सुन्नपन होता है तो वह कुष्ठ का लक्षण हो सकता है। हालांकि यह जांच कराने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह कुष्ठ रोग ही है। इस दौरान अनीता शर्मा, बबीता, सीमा, ऋतु, प्रीती रानी, ललिता, अमृता, रविता, मालती आदि आशाएं मौजूद रही।

आश्रम के बच्चों को बांटी खाद्य सामग्री

रुड़की । प्रयास फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से बुधवार को बहादराबाद स्थित बाल कुंज आश्रम में जाकर वहां रहने वाले बच्चों को जूते, पेंसिल और खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। आयोजकों ने कहा कि आगे भी संस्थान की ओर से समाज हित में काम किए जाते रहेंगे। संस्थापक अध्यक्ष विकास त्यागी ने कहा कि वरिष्ठ सहयोगी ट्रस्टी साथियों के सहयोग से ट्रस्ट लगातार जन सेवा के कार्य कर रही है। सागर पेपर मिल के एमडी राजवीर त्यागी ने कहा कि किसी भी अच्छे संगठन के साथ जुड़कर जन सेवा के कार्य करना ही मानव का कर्तव्य है।

आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है तिरंगा

सुनील कुमार महला

छब्बीस जनवरी हमारे देश का राष्ट्रीय पर्व है।सभी जानते हैं कि 26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था। हम सभी के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है, क्यों कि इसी दिन भारत ने खुद को एक स्वतंत्र गणराज्य के रूप में स्थापित किया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह दिन हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है, और हमें एक नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करता है। गौरतलब है कि इस दिन का महत्व सिर्फ हमारे देश के संविधान के लागू होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों की भी याद दिलाता है, जिन्होंने अपने संघर्षों और बलिदानों के जरिए हमें अंग्रेजी से आजादी दिलाई थी।भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्तित्वों ने हमें अपने देश सेवा में पूरी निष्ठा, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठ होने का पाठ सिखाया। छब्बीस जनवरी के दिन हम सब देशवासी उन दूरदर्शी जन-नायकों, विद्वानों का कृतज्ञता-पूर्वक स्मरण करते हैं, जिन्होंने हमारे भव्य और प्रेरक संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि गणतंत्र दिवस, हमारे आधारभूत मूल्यों और सिद्धांतों को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। वास्तव में, छब्बीस जनवरी वह महत्वपूर्ण दिन है जो भारत के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार और लिखित संविधान के साथ एक गणतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक है।सच तो यह है कि यह देश के संविधान और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और एकता जैसे इसके मूल्यों का जश्न मनाने का दिन है।बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे युवाओं के आत्मविश्वास के बल पर ही भावी भारत का निर्माण हो रहा है।आज भारत पचपन करोड़ से अधिक युवाओं के साथ विश्व का सबसे युवा देश है। अत: विशेषकर युवाओं को ध्वज के बारे में कुछ विशेष तथ्य जानने की जरूरत है।हर साल 26 जनवरी(गणतंत्र दिवस) को झंडा फहराया(फ्लैग अनफलिंग) जाता है और 15 अगस्त को ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) किया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग यह बात जानते होंगे कि ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) और झंडा फहराने(फ्लैग अनफलिंग) में अंतर होता है। तो आइए ! हम यहां यह जानते हैं दोनों में क्या फर्क और अंतर है ? पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) का कार्यक्रम 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन होता है। जानकारी के अनुसार, 1947 में इस दिन ही भारत में ब्रिटिश राज का झंडा नीचे उतारकर हमारे राष्ट्रीय ध्वज को ऊपर चढ़ाया गया था। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ध्वज को जब स्तंभ पर नीचे से ऊपर की तरफ चढ़ाया जाता है तो यह ध्वजारोहण कहलाता है। ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्र गान भी बजाया जाता है। वास्तव में, ध्वजारोहण किसी नए राष्ट्र के उदय का प्रतीक माना जाता है। इसे भारत के उदय और ब्रिटिश शासन के अंत के तौर पर भी चिह्नित किया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि लाल किले पर होने वाले कार्यक्रम यानी स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ध्वजारोहण करते हैं।अब यहां प्रश्न यह उठता है कि 15 अगस्त के दिन आखिर प्रधानमंत्री ही लाल किले पर ध्वजारोहण क्यों करते हैं ? तो इसका सीधा सा उत्तर यह है कि राष्ट्रपति, भारत सरकार का संवैधानिक प्रमुख होता है।ऐसे में स्वतंत्रता दिवस पर भी उन्हें ही ध्वजारोहण करना चाहिए।

लेकिन ऐसा नहीं होता। दरअसल, जब देश 1947 में आजाद हुआ था, तब भारत का कोई आधिकारिक राष्ट्रपति नहीं था। उस वक्त लॉर्ड माउंटबेटन भारत के गर्वनर थे और जवाहरलाल नेहरू को भारत का प्रधानमंत्री चुना गया था।चूंकि, माउंटबेटन ब्रिटिश सरकार के अफसर थे, इसलिए स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने का काम प्रधानमंत्री ने किया। तब से भारत के प्रधानमंत्री ही 15 अगस्त को लाल किले पर ध्वजारोहण कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर झंडा फहराना, मुड़े हुए या लपेटे हुए झंडे को खोलने या अनावरण करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। यह आमतौर पर झंडे को रस्सी से बांधकर और फिर रस्सी को खींचकर झंडा फहराने के द्वारा किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो गणतंत्र दिवस(26 जनवरी) के दिन झंडा पहले से ही खंभे पर ऊपर की ओर बंधा रहता है, और इसकी रस्सी खींच कर इसे फहराना होता है, इसी प्रक्रिया को झंडा फहराना कहा जाता हैं।इसके साथ फूलों की पंखुड़ियां भी लगी होती हैं, जिसके कारण तिरंगा फहराने पर पुष्प वर्षा होती है। यहां यह उल्लेखनीय है कि चूंकि हमारे देश का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था और राष्ट्रपति को देश का संवैधानिक प्रमुख कहा जाता है। ऐसे में हर साल देश के राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख के हाथों ही कर्तव्य पथ(पुराना नाम राजपथ) पर झंडा फहराया जाता है। उल्लेखनीय है कि 26 जनवरी को झंडा कार्यक्रम के दौरान परेड की शुरुआत से पहले राष्ट्रीय ध्वज को फहराया जाता है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि हम सभी को भारतीय ध्वज संहिता और इससे जुड़े नये नियमों के बारे में जानकारी होनी चाहिए, क्यों कि हमारा झंडा राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और यह गरिमापूर्ण राष्ट्रीय प्रतीकों में से एक है। पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय ध्वज संहिता 26 जनवरी, 2002 को लागू हुई और 30 दिसंबर, 2021 को इसमें कुछ संशोधन किए गए। गौरतलब है कि इससे पहले तक तिरंगा फहराने के नियम एम्बलेम्स एंड नेम्स (प्रिवेन्शन ऑफ इम्प्रॉपर यूज) एक्ट, 1950 और प्रिवेन्शन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट, 1971 के तहत आते थे।

नए कोड में राष्ट्रीय ध्वज को घर के खुले क्षेत्रों में फहराना शामिल है, जहाँ दिन और रात दोनों समय फहराया जा सकता है। भारतीय झंडा संहिता, 2002 में निहित मुख्य दिशा-निर्देशों के अनुसार भारत का राष्ट्रीय ध्वज, भारत के लोगो की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और सबके मन में राष्ट्रीय ध्वज के लिए प्रेम, आदर और निष्ठा है। यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण/प्रयोग/संप्रदर्शन राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा नियंत्रित है। 30 दिसंबर, 2021 के आदेश द्वारा पॉलिएस्टर के कपडे से बने एवं मशीन द्वारा निर्मित राष्ट्रीय ध्वज की अनुमति दी गई। अब व्यवस्था है कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काते गए और हाथ से बुने हुए या मशीन द्वारा निर्मित, सूती/पॉलिएस्टर/ऊनी/सिल्क/खादी के कपडे से बनाया गया हो। इतना ही नहीं अब कोई भी व्यक्ति, कोई भी गैर-सरकारी संगठन अथवा कोई भी शिक्षा संस्था राष्ट्रीय झंडे को सभी दिनों और अवसरों, औपचारिकताओं या अन्य अवसरों पर फहरा/प्रदर्शित कर सकता है, बशर्ते राष्ट्रीय झंडे की मर्यादा और सम्मान का ध्यान रखा जाये। इतना ही नहीं, भारतीय झंडा संहिता, 2002 को 20 जुलाई, 2022 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया एवं भारतीय झंडा संहिता के भाग- II के पैरा 2.2 की धारा (×द्ब) को निम्नलिखित धारा से प्रतिस्थापित किया गया-जहाँ झंडे का प्रदर्शन खुले में किया जाता है या जनता के किसी व्यक्ति द्वारा घर पर प्रदर्शित किया जाता है, वहां उसे दिन एवं रात में फहराया जा सकता है,राष्ट्रीय झंडे का आकार आयताकार होगा। यह किसी भी आकार का हो सकता है परन्तु झंडे की लम्बाई ओर ऊंचाई (चौडाई) का अनुपात 3ः2 होगा। इतना ही नहीं,जब कभी राष्ट्रीय झंडा फहराया जाये तो उसकी स्थिति सम्मानजनक और पृथक होनी चाहिए।फटा हुआ और मैला-कुचैला झंडा प्रदर्शित नहीं किया जाये। झंडे को किसी अन्य झंडे अथवा झंडो के साथ एक ही ध्वज-दंड से नहीं फहराया जाये। संहिता के भाग-III की धारा-IX में उल्लखित गणमान्यों जैसे राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल आदि, के सिवाय झंडे को किसी वाहन पर नहीं फहराया जायेगा।

किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय झंडे से ऊँचा या उससे ऊपर या उसके बराबर में नही लगाना चाहिए। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 राष्ट्रीय ध्वज, संविधान, राष्ट्रगान और भारतीय मानचित्र सहित देश के सभी राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान को प्रतिबंधित करता है। यदि कोई व्यक्ति अधिनियम के तहत विभिन्न अपराधों जैसे कि राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करना, भारत के संविधान का अपमान करना, राष्ट्रगान के गायन को रोकना आदि में दोषी ठहराया जाता है, तो वह 6 वर्ष की अवधि के लिये संसद एवं राज्य विधानमंडल के चुनाव लड़ने हेतु अयोग्य हो जाता है। गौरतलब है कि संविधान का भाग ङ्घङ्क-ए (जिसमें केवल एक अनुच्छेद 51-ए शामिल है) ग्यारह मौलिक कर्तव्यों को निर्दिष्ट करता है।अनुच्छेद 51ए(ए) के अनुसार, भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों एवं संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज तथा राष्ट्रगान का सम्मान करे।

फिर उभरा दिल्ली दंगों का दर्द

दिल्ली विधानसभा के लिए मतदान के लिए तैयार है, और पांच साल पहले भडक़े उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगों का दर्द फिर उभर आया है। दंगों की साजिश के आरोप में बहुत से लोग यूएपीए के तहत जेल में हैं, और उस मुकदमे का न्याय ठिठका हुआ है। वैसे पुलिस ने दंगे से जुड़े 758 मामले पंजीकृत किए थे। इनमें से एक स्पेशल सेल, 62 क्राइम ब्रांच और 695 उत्तर-पूर्वी दिल्ली के विभिन्न थानों में पंजीकृत हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने दंगों से जुड़ी कुल 758 एफआईआर दर्ज कीं। इनमें अभी तक 2619 लोगों की गिरफ्तारी हुई जिनमें से 2094 लोग जमानत पर हैं। अब तक सिर्फ 47 लोगों को दोषी पाया है, और 183 लोग बरी भी हो गए हैं। 75 लोगों के खिलाफ सबूत न होने के कारण कोर्ट ने उनका मामला रद्द कर दिया है। इतने वर्ष बीतने के बावजूद इनमें से अभी तक 268 मामलों में जांच पूरी नहीं हो पाई है। जरा सोचें 1680 दिन बाद दंगे के कौन से साक्ष्य अब मिलेंगे? कुछ अर्जियां ऐसी भी हैं, जिन पर मामले दर्ज ही नहीं किए गए क्योंकि उनमें कुछ बड़े नाम थे। ऐसे भी मामले (57) जिनमें पुलिस के हाथ प्रमाण नहीं लगे और इन्हें बंद करने के लिए पुलिस ने अदालत से निवेदन किया है। ऐसे 43 मामलों की क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट ने स्वीकार कर ली हैं जबकि 14 रिपोर्ट अभी विचाराधीन हैं। सच है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था का जिम्मा केंद्र सरकार का है, लेकिन न्याय और जेल राज्य सरकार के हाथों हैं। यह भी सामने आ चुका है कि दिल्ली हिंसा के पहले दिन ही अनेक जागरूक लोग मनीष सिसोदिया सहित आप के बड़े नेताओं के घर गए थे कि %हम सभी को तनावग्रस्त इलाके में चल कर लोगों को समझा कर शांत करना चाहिए' लेकिन इन नेताओं ने इससे इनकार कर दिया था। विदित हो दिल्ली में विधानसभा चुनाव के नतीजे के तत्काल बाद ही दंगे हो गए थे। इस आशय का पत्र और तथ्य अब चार्जशीट के हिस्से हैं। दंगों के तत्काल बाद दिल्ली सरकार के दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने नौ सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। इसके चेयरमैन सुप्रीम कोर्ट के वकील एमआर शमशाद और गुरमिंदर सिंह मथारू, तहमीना अरोड़ा, तनवीर काजी, प्रो. हसीना हाशिया, अबु बकर सब्बाक, सलीम बेग, देविका प्रसाद तथा अदिति दत्ता सदस्य थे। इस जांच कमेटी ने दंगों में घोषित मुआवजे के लिए लिखे गए 700 प्रार्थनापत्रों का अध्ययन किया। अपने अध्ययन के बाद कमेटी ने पाया कि अधिकतर मामलों में क्षतिग्रस्त जगह का दौरा भी नहीं किया गया और जिन मामलों में जान-माल का नुकसान पाया गया, उनमें भी बहुत कम धनराशि, अंतरिम सहायता के रूप में दी गई। दंगों के तुरंत बाद कई लोग घर छोड़ कर चले गए। इसलिए बहुत से लोग मुआवजे के लिए आवेदन नहीं कर सके। मुआवजे में भी सरकारी अधिकारी के मरने पर उनके परिवार वालों को एक करोड़ की रकम दी गई जबकि एक आम नागरिक की मौत पर केवल 10 लाख रु पये का मुआवजा दिया गया। मुआवजे का कोई तार्किक आधार तय नहीं किया गया। वादे-दावे आगे चल कर सरकार बनाम उपराज्यपाल के झगड़े में फंस गए। 25 अगस्त, 2022 को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दावों के निपटान में तेजी लाने के लिए आयोग में 40 नये हानि मूल्यांकनकर्ताओं को नियुक्त किया। उन्हें नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट दिल्ली उच्च न्यायालय में पेश करने के लिए कहा गया।

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

उत्तराखण्ड 25

समस्त देशवासियों को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिए विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

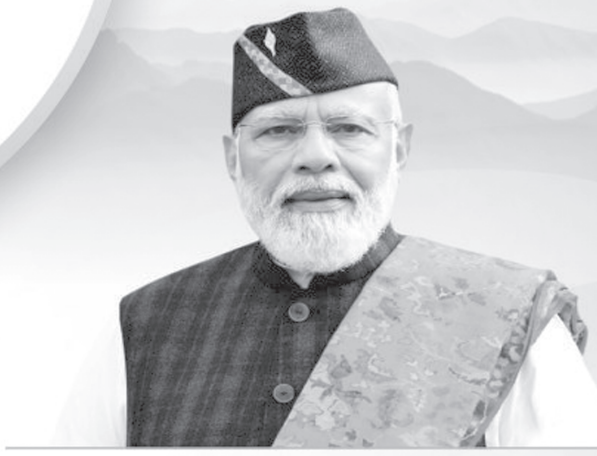

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

- नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रैंकिंग में उत्तराखण्ड देश में प्रथम स्थान पर
- पिछले तीन वर्षों में लगभग 19 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी
- पिछले 20 महीनों में जीएसडीपी में 13 गुना और पिछले 2 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में 26% वृद्धि
- स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए ₹200 करोड़ के वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना
- एमएसएमई नीति: नए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन
- दीन दयाल उपाध्याय होम स्टे योजना: राज्य में 5000 से अधिक होम स्टे पंजीकृत
- अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन का सफल आयोजन
- बहुप्रतीक्षित बहुउद्देशीय जमरानी, सौंग और लखवाड़ बांध परियोजनाएं प्रगति पर
- रेल, रोड, रोपवे और एयर कनेक्टिविटी का विस्तार
- ऊधमसिंह नगर के खुरपिया फॉर्म में भारत सरकार द्वारा स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्वीकृत
- हल्द्वानी में खेल विश्वविद्यालय की स्थापना
- उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट: ₹3.56 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित, लगभग ₹85 हजार करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउंडिंग गतिमान
- मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना: ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर, सोलर प्लांट स्थापित करने पर 50% तक सब्सिडी
- नई फिल्म नीति: क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को कुल लागत का 50% या 2 करोड़ तक की सब्सिडी
- हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक और प्राकृतिक उत्पादों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण
- लखपति दीदी योजना: महिला स्वयं सहायता समूहों को ₹5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण
- को-ऑपरेटिव बैंकों और सहकारी समितियों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना: राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 मुफ्त रिफिल सिलेंडर
- राज्य आंदोलनकारियों के लिए सरकारी सेवाओं में 10% क्षैतिज आरक्षण
- सख्त धर्मांतरण-विरोधी कानून: जबरन धर्मांतरण पर रोक
- समान नागरिक संहिता: सबका साथ सबका विकास

संकल्प से शिखर तक

तेजस्विनी (मशाल)

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

मौली (मैस्कट)

स्त्री 3 में अक्षय कुमार की एंट्री कंफर्म

पिछले साल स्त्री 2 में अक्षय कुमार के कैमियो ने बहुत लोगों का ध्यान खींचा था. दिलचस्प बात यह है कि 2024 में खेल खेल में और सरफिरा जैसी फिल्में देने के बावजूद, स्त्री 2 ही उनकी सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई. अब हाल ही में मैडोक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की 8 फिल्में अनाउंस की गईं जिनमें स्त्री 3 भी शामिल है. तभी से दर्शकों में एक्साइटमेंट है कि अक्षय कुमार इस फिल्म में नजर आएंगे या नहीं. लेकिन अब मेकर्स ने ये कंफर्म कर दिया है कि अक्षय स्त्री 3 में अहम किरदार निभाएंगे.

स्काई फोर्स के ट्रेलर लॉन्च पर अक्षय से पूछा गया कि क्या वह मैडोक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा होंगे. इस पर अक्षय ने कहा, मैं क्या कह सकता हूं, दिनेश और ज्योति को यह तय करना होगा, वे ही पैसे लगाने वाले हैं और अमर कौशिक को डायरेक्ट करना है. अक्षय की इस बात पर रिएक्ट करते हुए दिनेश विजान ने कहा, बेशक, वे यूनिवर्स का हिस्सा है. उन्होंने हंसते हुए कहा, वे हमारे थानोस हैं.

बता दें स्त्री में अक्षय कुमार को सरकटे के वंश के आखिरी जिंदा सदस्य के रूप में दिखाया गया था. जिसके पास भूत को हमेशा के लिए खत्म करने का उपाय है. खैर जो भी हो दर्शक स्त्री 2 में अक्षय की मौजूदगी से काफी खुश होने वाले हैं.

मैडोक फिल्म्स ने हाल ही में 2025 से 2028 तक अपनी अपकमिंग फिल्मों का कैलेंडर शेयर किया था. जिसमें स्त्री 3 साल 2027 में 13 अगस्त के लिए शेड्यूल की गई है. 2024 में स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था. इसकी कहानी, ह्यूमर ने दर्शकों का दिल जीत लिया. फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, पकंज त्रिपाठी, अभिषेक बैनर्जी ने खास रोल प्ले किया था. फिल्म में अक्षय कुमार, वरुण धवन का कैमियो था वहीं तमन्ना भाटिया ने इसमें स्पेशल डांस किया था. अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म स्काई फोर्स है जो कि 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. अक्षय कुमार, वीर पहारिया और सारा अली खान की लीड रोल वाली फिल्म का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है. देशभक्ति से भरपूर फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है. यह फिल्म भारत की पहली एयर स्ट्राइक पर आधारित है.

पलक तिवारी के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस पलक तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका कातिलाना लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक बार फिर से अपनी हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से फैंस को अपने हुस्न का कायल करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो जल्दी ही वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका हॉट लुक देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पलक तिवारी ने पिंक कलर का ऑफ शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही बोल्ड एंड ब्यूटिफुल नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। बालों का बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। उनका कातिलाना अवतार दिखते ही इंटरनेट पर तबाही मच जाती है। बताते चलें पलक तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल लोग अच्छे से फॉलो करते हैं।

दो भागों में रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की वीडी 12, निर्माता नागा वामसी ने खोले फिल्म से जुड़े कई राज

विजय देवरकोंडा वर्तमान में अपनी आगामी फिल्म की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जिसका संभावित नाम वीडी 12है। गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा होगी। प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह के बीच निर्माता नागा वामसी ने फिल्म पर एक बड़ा अपडेट साझा किया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के बारे में बताया। साथ ही कई दिलचस्प बातों का भी खुलासा किया।

हाल ही में उन्होंने बताया कि वीडी 12 दो भागों वाली सीरीज होगी और हर भाग की कहानी अलग होगी। इस तरह वे दो अलग-अलग फिल्में बन जाएंगी। फिलहाल वीडी 12 की 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, अगर पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीरा मल्लू की रिलीज उसी दिन पक्की हो जाती है तो फिल्म की रिलीज 28 मार्च से आगे बढ़ाई जा सकती है।

फिल्म के बारे में आगे बात करते हुए नागा वामसी ने कहा, वीडी 12 अपने पैमाने से सभी को चौंका देगी। कई लोगों का मानना है कि यह चुपचाप बनाई जा रही एक छोटी फिल्म है, लेकिन यह ठोस है और बड़े पर्दे पर एक बड़ी ट्रीट होगी। इस बीच पहले खबर आई थी कि विजय देवरकोंडा को वीडी 12 के लिए एक चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान मामूली चोट लग गई थी। चोट के बावजूद, अभिनेता ने ब्रेक नहीं लेने का फैसला किया और तय समय पर काम करना जारी रखा।

विजय की पिछली कुछ फिल्में उम्मीद के मुकाबले प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने काम से लंबा ब्रेक लिया और अब वे दमदार वापसी करने की तैयार में हैं। ऐसे में वे इस फिल्म पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा वीडी 12 की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी होने के करीब है। पहले खबर आई थी कि अभिनेता सत्यदेव इस फिल्म में शामिल हो गए हैं।

खबर है कि वह इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दूसरी ओर भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सत्यदेव का किरदार नकारात्मक होगा। फिल्म की कहानी का मुख्य आकर्षक कहानी विजय देवरकोंडा और सत्यदेव के बीच के दृश्य होंगे। सत्यदेव ने कोविड-19 के दौरान लगातार हिट फिल्मों के साथ लोकप्रियता प्राप्त की। उनकी नई फिल्म जेबरा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और वर्तमान में ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पर स्ट्रीमिंग कर रही है।

बॉक्स ऑफिस पर सोनू सूद की फतेह की कमाई में बढ़ोतरी

अभिनेता सोनू सूद की फिल्म फतेह बीते 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं और उनकी अदाकारी की खूब तारीफ भी हो रही है, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। पहले दिन टिकट खिडक़ी पर ठीक-ठाक कमाई करने के बाद फतेह का कारोबार लगातार घटता जा रहा है। हालांकि, पांचवें दिन यह फिर से पटरी पर लौट चुकी है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फतेह ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले मंगलवार को **1.60** करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन **9.30** करोड़ रुपये हो गया है। फतेह ने 2.4 करोड़ रुपये के साथ टिकट खिडक़ी पर ठीक-ठाक शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन इस फिल्म ने 2.1 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 2.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। चौथे दिन यह फिल्म 95 लाख रुपये कमाने में सफल रही। खास बात यह है कि सोनू न सिर्फ फतेह के हीरो हैं, बल्कि इसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उन्होंने ही संभाली है, वहीं वह इस फिल्म के लेखक भी हैं।

त्वचा की देखभाल करने में मदद कर सकता है चकोतरा, जानिए इस्तेमाल करने के तरीके

त्वचा की देखभाल करने के लिए महिलाएं महंगे उत्पादों का इस्तेमाल करती हैं। हालांकि, कई ऐसे फल भी होते हैं, जो त्वचा की रंगत को निखाने में योगदान देते हैं। ऐसा ही एक फल है चकोतरा, जिसे ग्रेपफ्रूट भी कहा जाता है। इस फल में अच्छी मात्रा में विटामिन-ष्ट मौजूद होता है और यह त्वचा को हाइड्रेट करता है।

अगर आप त्वचा की देखभाल में इन तरीकों से चकोतरे को शामिल करेंगे, तो आपको बेदाग और चमकती हुई त्वचा मिलेगी।

चकोतरे और दही का स्क्रब

सामग्री= एक चम्मच सादी दही, एक चम्मच चीनी और एक बड़ा चकोतरा।

विधि= चकोतरे और दही का स्क्रब बनाने के लिए सबसे पहले चकोतरे का ताजा जूस निकाल लें। अब एक कटोरे में यह जूस डालें और उसमें चीनी और दही मिलाएं।

इस स्क्रब को अपने चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ें। कुछ देर बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

फायदे= इसके जरिए आपकी त्वचा एक्सफोलिएट हो जाएगी और मृत त्वचा कोशिकाएं दूर होंगी।

चकोतरे और एलोवेरा का टोनर

सामग्री= एक बड़ा चकोतरा, एक चम्मच ताजा एलोवेरा जेल और आधा कप पानी।

विधि- चकोतरे और एलोवेरा का टोनर बनाने के लिए चकोतरे का जूस निकाल लें। अब एक साफ स्प्रे बोतल लें और उसमें यह जूस डालें।

इसमें एलोवेरा जेल और पानी डालें और अच्छी तरह हिलाएं। अपने चेहरे को धोने के बाद इस टोनर का इस्तेमाल करें।

फायदे- इस टोनर के जरिए आपकी त्वचा हाइड्रेट हो जाएगी और आपको जलन से छुटकारा मिलेगा।

चकोतरे और एवोकाडो का फेस पैक

सामग्री= आधा एवोकाडो, एक छोटे आकार का चकोतरा और एक चम्मच जैतून का तेल।

विधि- इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले एवोकाडो को मीस लें और चकोतरे का जूस निकाल लें।

अब एक कटोरे में इन दोनों सामग्रियों को मिलाएं और जैतून का तेल भी शामिल करें। इस पैक को अपने चेहरे पर लगाएं, 15 से 20 मिनट तक सुखाएं और धो लें।

फायदे= यह फेस पैक आपके चेहरे को निखार देगा और त्वचा को मुलायम बनाएगा।

चकोतरे, चीनी और अंगूर के बीज के तेल का स्क्रब

सामग्री- आधा चकोतरा, 3 चम्मच अंगूर के बीज का तेल और 2 से 3 चम्मच चीनी।

विधि- चकोतरे, चीनी और अंगूर के बीज के तेल का स्क्रब बनाने के लिए सबसे पहले चकोरते का जूस निकालें। अब एक कटोरे में तीनों सामग्रियों को मिला लें।

ध्यान रहे की चीनी पूरी तरह से घुल न जाए। इसे चेहरे पर लगाएं, हल्के हाथों से रगड़ें और पानी से धो लें।

फायदे- इसके जरिए त्वचा एक्सफोलिएट होगी और गहराई से साफ हो जाएगी।

चकोतरे और खीरे का फेस पैक

सामग्री- आधा चकोतरा और आधा खीरा।

विधि-चकोतरे और खीरे का फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को छीलकर बड़े टुकड़ों में काट लें। अब एक ब्लेंडर में इन्हें डालें और चकोतरा शामिल करके पीस लें।

इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट सूखने दें। जब यह पैक सूख जाए तो इसे गुनगुने पानी से धो लें।

फायदे= इस पैक को लगाने से त्वचा हाइड्रेट होगी और आपको प्राकृतिक निखार मिलेगा।

खाना खाने के तुरंत बाद लग जाती है भूख? जानिए ऐसा होने के कारण

कई बार ऐसा होता है कि भोजन करने के बाद भी पेट नहीं भरता और भूख लगती रहती है। ज्यादातर लोग ऐसा होने के कारण से अनजान हैं, लेकिन स्वास्थ्य के लिहाज से इन्हें जानना जरूरी है।

अगर आप संतुलित डाइट नहीं लेते या अधिक ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) वाला खाना खाते हैं तो इसका तृप्ति की भावना पर असर पड़ता है।

आज के लेख में हम जानेंगे कि भोजन करने के बाद भी पेट न भरने के कारण क्या हैं।

संतुलित डाइट न लेना- पेट भरने के लिए संतुलित डाइट लेना बेहद जरूरी होता है, जिसमें सभी पोषक तत्व मौजूद हों। हालांकि, जिन लोगों के खान-पान में प्रोटीन, फाइबर और स्वस्थ वसा कि कमी होती है, उन्हें बार-बार भूख महसूस हो सकती है।

भोजन की तृप्ति प्रदान करने की क्षमता उसमें मौजूद प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा और फाइबर की मात्रा पर निर्भर करती है।

ये तत्व भूख वाले हार्मोन को नियंत्रित करते हैं और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखते हैं।

जल्दी-जल्दी भोजन करना- जल्दी-जल्दी खाना और भोजन को ठीक तरह से न चबाना भी तृप्ति की भावना पर असर डाल सकता है।

जब आप बहुत जल्दी-जल्दी खाते हैं, तो आप अपने दिमाग को यह महसूस करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दे पाते कि आपका पेट भर गया है।

ऐसा इसलिए है, क्योंकि पेट दिमाग को यह संकेत भेजने में कम से कम 20 मिनट का समय लगाता है। इसके परिणामस्वरूप, आपको बार-बार भूख लग सकती है और आपका वजन बढ़ सकता है।

तनाव का शिकार होना

कई लोग तनाव से निपटने के लिए स्ट्रेस ईटिंग करने लगते हैं। इसका मतलब होता है चिंता को दूर करने के लिए भूख से अधिक खाना।

ऐसा करने से कोर्टिसोल के स्तर में वृद्धि होने लगती है और तृप्ति की भावना पर असर पड़ता है।

एक अध्ययन में कहा गया है कि ऐसे लोगों को भूख लगने पर नहीं, बल्कि भावनाओं के असंतुलित होने पर भोजन करने की इच्छा जगती है।

अधिक जीआई वाला भोजन करना

किसी भोजन का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) आपके ब्लड शुगर के स्तर के प्रभाव से मापा जाता है। कार्ब्स या शर्करा से भरपूर भोजन ब्लड शुगर के स्तर में तेजी से वृद्धि और उसके बाद गिरावट का कारण बन सकता है।

यह भी बार-बार भूख लगने का एक कारण हो सकता है। ऐसे में आपको अधिक जीआई वाले खाद्य पदार्थों का सेवन बंद कर देना चाहिए और संतुलित डाइट लेनी चाहिए।

डिहाइड्रेशन होना

कभी-कभी प्यास लगने पर भी लोग भोजन कर लेते हैं, क्योंकि वह प्यास और भूख के बीच का अंतर नहीं समझ पाते हैं। इसका मुख्य कारण होता है डिहाइड्रेशन या पानी की कमी। तो अगली बार जब आपको खाने के बाद भूख लगे तो एक गिलास पानी पिएं। जब आप अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रहेंगे, तो आपका पेट भी साफ रहेगा, तृप्ति की भावना भी बढ़ेगी और बार-बार भूख नहीं लगेगी।

ज्यादा मोबाइल देखने वालों के लिए बड़ी खबर

आजकल हर किसी के हाथ में स्मार्टफोन दिख जाता है. यूं तो ये बहुत काम की चीज है लेकिन कुछ लोग इसे बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं. अगर आप भी इनमें से एक हैं तो ये खबर आपके लिए ही है. अगर आपको भी ज्यादा फोन चलाने या देखने की आदत है तो इसे तुरंत बदल लीजिए. नहीं तो इससे आपको एक-दो नहीं बल्कि कई तरह की घातक और जानलेवा बीमारियां हो सकती हैं. एक स्टडी के मुताबिक मोबाइल कॉल्स से हार्ड डिजीज बढ़ सकता है. इतना ही नहीं कैनेडियन जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी में पब्लिश एक रिसर्च के मुताबिक ज्यादा मोबाइल यूज करने वालों में 21 प्रतिशत तक कार्डियोवैस्कुलर का खतरा ज्यादा होता है. आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से.

5 मिनट से 29 मिनट तक फोन चलाने पर क्या होता है?

रिसर्च में बताया कि एक दिन में 5 मिनट से 29 मिनट तक फोन चलाने वालों को कार्डियोवैस्कुलर का खतरा 3 पर्सेंट का रहता है.

आधे घंटे फोन चलाने पर ये होता है खतरा

एक दिन में 30 मिनट से 59 मिनट तक, स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने वाले लोगों को कार्डियोवैस्कुलर का खतरा 7त्न परसेंट तक रहता है.

अगर 1 से 3 घंटे फोन चलाए तो क्या होगा ?

1-3 घंटे तक मोबाइल चलाने वालों के बीच में कार्डियोवैस्कुलर का जोखिम 13 परसेंट का रहता है. 4-6 घंटे फोन चलाने पर खतरा

अगर कोई 4-6 घंटे तक मोबाइल चलाता है तो उसमें कार्डियोवैस्कुलर का खतरा 15 पर्सेंट तक रहता है. वहीं 6 घंटे से ज्यादा फोन चलाने वालों को यह खतरा 21 परसेंट तक रहता है.

ज्यादा स्मार्टफोन इस्तेमाल करने के नुकसान

नींद से जुड़ी समस्याएं,मानसिक तनाव का बढना , आत्मविश्वास की कमी, कंप्यूटर विजन सिंड्रोम, रीढ़ की हड्डी पर गंभीर असर,

स्किन से जुड़ी समस्याएं- ज्यादा फोन चलाने से सेहत को क्या होता है नुकसान?

जो व्यक्ति ज्यादा एक्टिव नहीं रहते हैं और ज्यादा वक्त स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं उन्हें हार्ट और स्ट्रोक का खतरा का काफी ज्यादा बढ़ जाता है. वजन और प्रेशर कंट्रोल में भी रहे लेकिन हार्ट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा रहता है. उन्हें गंभीर इकोकार्डियोग्राफी बीमारी होती है. कम उम्र में मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज हो सकती है. न्यूरोडीजेनेरेटिव की बीमारी और दिल से जुड़ी बीमारी का खतरा रहता है

पानी पीकर भी हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं आप

पानी पीने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है। पानी शरीर को हाइड्रेट रखता है। हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए पानी में विटामिन और मैग्नीशियम मिलाएं।

हाई ब्लड प्रेशर को कम कर सकता है पानी

हर तीसरा व्यक्ति हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान है। हाई बीपी लोगों की लाइफस्टाइल का हिस्सा बन गया है, इसे कंट्रोल करने के लिए हेल्दी डाइट के साथ-साथ उन्हें दवा का सहारा लेना पड़ता है। रक्तचाप की समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है, लेकिन अधिक उम्र में यह हृदय की समस्याओं को बढ़ावा दे सकती है। हाई बीपी को कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, जिनमें सबसे अहम है हेल्दी लाइफस्टाइल। नियमित रूप से व्यायाम करने से हृदय भी स्वस्थ रहता है और तनाव का स्तर कम होता है। स्वस्थ आहार के साथ पानी पीने और हाइड्रेटेड रहने से भी उच्च रक्तचाप को कम किया जा सकता है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है, जिससे दिल की समस्या होने की संभावना कम हो जाती है। आइए जानते हैं हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए कितना पानी जरूरी है।

निर्जलीकरण और रक्तचाप

संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हाइड्रेटेड रहना बहुत महत्वपूर्ण है। वेरवेल हेल्थ के अनुसार, निर्जलीकरण और रक्तचाप के बीच एक संबंध है। जब शरीर ठीक से हाइड्रेटेड होता है, तो हृदय प्रभावी ढंग से पंप करने में सक्षम होता है। जिससे ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है। डिहाइड्रेशन की स्थिति में हृदय को पंप करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है, जिससे रक्त की मात्रा कम होने लगती है। जब रक्त की मात्रा कम होती है, तो रक्तचाप और हृदय गति दोनों उच्च हो जाते हैं।

पानी और हृदय स्वास्थ्य

कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य में सुधार के लिए पर्याप्त पानी पीना महत्वपूर्ण है। एक अध्ययन के अनुसार, कैल्शियम और मैग्नीशियम के साथ मिश्रित पानी पीने से उच्च रक्तचाप को कम करने में मदद मिल सकती है। पानी के माध्यम से इन पोषक तत्वों का सेवन करने से शरीर इन्हें आसानी से अवशोषित कर सकता है। विटामिन और मैग्नीशियम के लिए पानी में पुदीना, खीरा, नींबू और जामुन मिला सकते हैं।

रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए पानी की मात्रा

ङ्क महिलाओं के लिए- महिलाओं को प्रतिदिन लगभग 11 कप या 2.7 लीटर पानी का सेवन करना चाहिए। , पुरुषों के लिए- पुरुषों को रोजाना 15 कप यानी 3.7 लीटर पानी पीना चाहिए। .

राज्यपाल ने राजभवन में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

देहरादून । गणतंत्र दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने रविवार को परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भव्य परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पदक अलंकरण कर सम्मानित किया गया।

परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम के दौरान सूचना विभाग द्वारा 38वें राष्ट्रीय खेलों से संबंधित झांकी के अलावा महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, पर्यटन विभाग, उद्यान विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, उद्योग विभाग एवं संस्कृत शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं तथा नीतियों पर आधारित मनमोहक झाँकियों का भी प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में सूचना विभाग की झाँकी को प्रथम, संस्कृत शिक्षा विभाग को द्वितीय तथा शिक्षा विभाग की झाँकी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ, जिन्हें राज्यपाल और मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में सेना 14वीं डोगरा रेजीमेंट आर्मी, सी0आर0पी0एफ0, आई0टी0बी0पी0, हिमाचल पुलिस, 40वीं वाहिनी पीएसी, 40वीं वाहिनी महिला दल, उत्तराखण्ड होमगार्ड्स, प्रान्तीय रक्षक दल, एन0सी0सी बॉयज, एन0सी0सी गर्ल्स, अश्व दल, पुलिस संचार, अग्निशमन, सी0पी0यू0 ने भव्य परेड में प्रतिभाग किया। परेड करने वाली टुकड़ियों में प्रथम स्थान पर सीआरपीएफ, द्वितीय स्थान पर 14वीं डोगरा रेजीमेंट आर्मी और तृतीय स्थान पर 40वीं वाहिनी महिला पीएसी दल रहीं, जिन्हें राज्यपाल और मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में राज्य के लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक लोक नृत्य का मनमोहक प्रदर्शन किया, जिसमें राज्य की समृद्ध संस्कृति की झलक देखने को मिली। विभिन्न सांस्कृतिक दलों द्वारा छोलिया नृत्य, गढ़वाली नृत्य, पांडव नृत्य, भांगडा आदि का महमोहक प्रदर्शन किया, जिसका उपस्थित लोगों ने खूब आनंद लिया। परेड ग्राउंड में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती गीता धामी, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, डॉ. धन सिंह रावत, श्री प्रेमचंद्र अग्रवाल, सांसद नरेश बंसल, सांसद महेन्द्र भट्ट, विधायक खजान दास, मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, डी.जी.पी. दीपम सेठ, सचिव श्री राज्यपाल रविनाथ रामन, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, एसएसपी अजय सिंह सहित पुलिस तथा प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं जनसामान्य भी उपस्थित रहा। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमने आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारतवर्ष को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। देश की विकास यात्रा में उत्तराखण्ड भी बढ़-चढ़कर योगदान दे रहा है। राज्य सरकार के प्रयासों और प्रदेशवासियों के परिश्रम से हम न केवल आर्थिक और सामाजिक विकास के नए आयाम छू रहे हैं बल्कि देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होने की दिशा में भी तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड को प्रकृति ने योग, आयुर्वेद, हनी, अरोमा और वेलनेस जैसे क्षेत्रों में विशेष आशीर्वाद दिया है। इन प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपदाओं का बेहतर उपयोग करते हुए हमें इन्हें आर्थिक अवसरों में बदलने की दिशा में काम करना होगा।

राज्यपाल ने उत्तराखण्ड की मातृशक्ति और बेटियों की क्षमताओं पर गर्व करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और साहस ने प्रदेश को हमेशा नई ऊर्जा और दिशा दी है। उन्होंने विश्वास जताया कि महिलाएं अपनी प्रतिभा और कौशल से उत्तराखण्ड की संभावनाओं को अवसरों में बदलकर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों एवं यहां आने वाले पर्यटकों से नौ आग्रह किए थे, सभी प्रदेशवासी इन नौ आग्रहों को नौ संकल्पों में बदलकर एक समृद्ध और आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड के निर्माण में अपना योगदान दें।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से इस वर्ष भी पूरे समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ राज्य को विकास और प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

परेड ग्रांउड में 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिन अधिकारियों/कर्मचारियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए पदक प्रदान किये गये, का विवरण निम्नवत् है:-

खानपुर विधायक उमेश कुमार को जमानत व पूर्व विधायक चैंपियन को जेल

हरिद्वार । हरिद्वार जिला पुलिस ने भाजपा के पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन को खानपुर के विधायक उमेश कुमार के रुड़की स्थित कैंप कार्यालय पर गोलीबारी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। खानपुर विधायक उमेश कुमार को भी पुलिस ने बाद में अरेस्ट कर लिया था। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने 40-40 हजार रुपये के दो मुचलकों पर विधायक उमेश कुमार को जमानत दे दी लेकिन प्रणव सिंह चैंपियन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

ये है पूरा मामला --

रुड़की में खानपुर विधायक उमेश कुमार और पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन के बीच दो दिनों से सोशल मीडिया पर चल रहा विवाद रविवार को हिंसक हो गया। पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन ने फिल्मी स्टाइल में अपने लावलश्कर के साथ रुड़की में विधायक उमेश कुमार के कैंप कार्यालय पर धावा बोल दिया । पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन ने अपने समर्थकों के साथ रायफल और पिस्टल से उमेश कुमार के कैंप आवास/कार्यालय पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी ।

दिन दहाड़े इस ताबड़तोड़ गोलीबारी से लोग दहशत में इधर-उधर भागते नजर आए। रुड़की के गंग नहर स्थित विधायक उमेश कुमार के कार्यालय पर हुई इस घटना के कारण माहौल तनावपूर्ण हो गया है। आलम यह हुआ कि पुलिस को हालात को संभालना पड़ा । घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए मौजूदा वक्त में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रही ।

सोशल मीडिया पर जारी थी नोंकझोंक

बता दें कि खानपुर विधायक उमेश कुमार और कुंवर प्रणव सिंह के बीच सोशल मीडिया पर शनिवार से ही जंग देखी जा रही थी। खानपुर के पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन ने शनिवार को अपनी सोशल मीडिया पर विधायक खानपुर के बारे में अभद्र टिप्पणियां कीं।

वहीं आरोप यह भी है कि देर रात विधायक उमेश कुमार ने अपनी सोशल मीडिया पर लाइव चलाकर जमकर गालियां दीं। इसके बाद उन्होंने कथित तौर पर पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन के रुड़की कार्यालय और लंढौरा स्थित महल पहुंचकर उनको ललकारा।

चैंपियन का गोलीबारी वाला जवाब

रविवार को माहौल तब और बिगड़ गया जब आरोप है कि पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन अपने पूरे लावलश्कर के साथ विधायक उमेश कुमार के कैम्प कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कथित तौर पर वहां गाली गलौज करते हुए जमकर फायरिंग की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

उमेश कुमार ने की पलटवार की कोशिश

बताया जाता है कि जब कुंवर प्रणव सिंह उमेश कुमार के आवास पहुंचे तब उमेश कुमार वहां नहीं थे। थोड़ी देर बाद विधायक उमेश कुमार आवास पर पहुंचे। आरोप है कि वह समर्थकों के साथ कुंवर प्रणव के आवास की ओर रवाना होने लगे। वायरल वीडियो में उनके हाथ में पिस्टल भी नजर आ रही थी। वहीं एक पुलिसकर्मी उन्हें संभालने की कोशिश करता नजर आ रहा था।

एसपी ने विधायक को रोका

इसके बाद प्रशासन को जैसे ही जानकारी मिली कि दोनों नेताओं के बीच गैंगवार जैसी घटना हो गई है। एसपी देहात मौके पर पहुंचे और उन्होंने विधायक उमेश कुमार को रोक दिया। वहीं उनके निजी सचिव जुबेर काजमी के अनुसार, 100 से अधिक राउंड फायरिंग की गई है। इसमें करीब 70 खोके पुलिस ने बरामद किए हैं।

बड़ी संख्या में पहुंचे समर्थक

फॉरेंसिक की टीम भी मौके पर पहुंची । दीवारों पर शीशे में लगी गोलियों की जांच की है। खानपुर विधायक उमेश कुमार के कैंप आवास पर हुई ताबड़तोड़ गोलीबारी के बाद से उनके समर्थक बड़ी संख्या में पहुंच गए। ये लोग पूर्व विधायक चैंपियन की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। इधर उमेश कुमार के स्टाफ ने चैंपियन समेत अन्य के खिलाफ सिविल लाइन कोतवाली में तहरीर दी । हिरासत में पूर्व विधायक चैंपियन

विधायक उमेश कुमार से जारी विवाद में पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन को देहरादून के नेहरू कॉलोनी थाने में हिरासत में लिया गया। उनकी गिरफ्तारी के लिए हरिद्वार से पुलिस रवाना हुई ।

प्रयागराज महाकुंभ हादसे पर सीएम धामी ने जताया दुख

देहरादून । प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के लिए पहुंची भीड़ में भगदड़ मच गई। घटना में कई श्रद्धालुओं की मौत की आशंका जताई जा रही है। हादसे में कई लोग घायल हैं। घटना संगम तट पर मंगलवार-बुधवार की रात 1.30 बजे के आसपास की है। प्रयागराज महाकुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि अफवाह के कारण भगदड़ मची। 50 से ज्यादा घायल हैं। इधर उत्तराखंड के सीएम धामी ने प्रयागराज महाकुंभ की घटना पर दुख जताया है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ के बाद, उत्तराखंड सरकार भी चौकन्नी हो गई है। भगदड़ में कई लोग घायल हैं तो कई लोगों की जान जाने की आशंका है। ऐसे में अभी तक यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घायल होने वाले लोग कहां-कहां से हैं। इसी बीच उत्तराखंड सरकार ने इस हादसे को देखते हुए एक टोल फ्री नंबर जारी किया है। ताकि प्रयागराज में गए उत्तराखंड के लोगों को किसी तरह की कोई भी सहायता की आवश्यकता हो तो वह इस नंबर पर कॉल करके सरकार से संपर्क कर सकते हैं।महाकुंभ में उत्तराखंड का एक पवेलियन भी बनाया गया है। जहां उत्तराखंड से जाने वाले लोगों को जानकारी के साथ-साथ अन्य सुविधा भी मिल रही है। देर रात भगदड़ के बाद कई राज्यों के लोगों को वहां पर दिक्कत हो रही है।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अवनीश कुमार, मो० 9410553400

ई-मेल: liveskgnews@gmail.com

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)

सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।